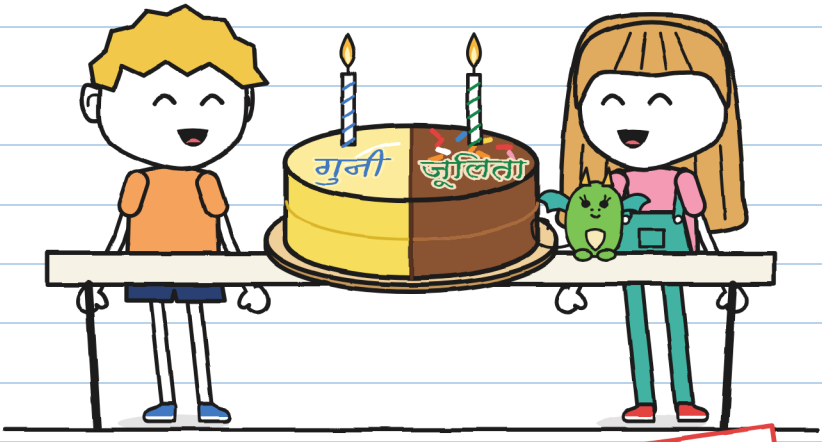
नामुमकिन डिलीवरी · 5

एक केक, हम दो

LinguAula



(गुनी की डायरी)

साइज़ M
मध्यम स्तर · 9+

नामुमकिन डिलीवरी · 5
एक केक, हम दो

लेखन और चित्र: LinguAula

साइज़ M · मध्यम स्तर · 9+

हिन्दी संस्करण: LinguAula

पहला संस्करण: 2026

© 2026 LinguAula · info@linguaula.com

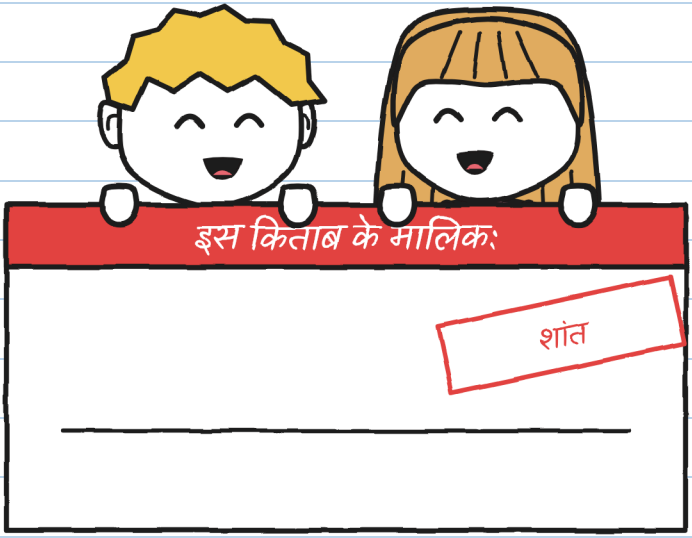
कक्षा और घर के लिए खुलकर फ़ोटोकॉपी कर सकते हैं।

सीरीज़ की पाँचवीं किताब। पिछली किताबें: “यह पार्सल काटता है”, “बादल गरजने से पहले न खोलें”, “वापस आया, प्लीज़” और “यहाँ नहीं, चूरा!”।

LinguAula

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो

इस किताब को लिखते समय किसी भी केक को चोट नहीं पहुँची। हाँ, दो हिस्सों में बँटा ज़रूर। —ज.



शांत। जब तक तुम इसे खोल न लो। –ज.

अगर यह तुम्हें मिले, तो लौटा देना। बिना किसी सरप्राइज़ के: सीधे इसके मालिक को।

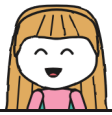
सिर्फ़ कहानी में

यह मुहर उस चीज़ पर लगती है जो सिर्फ़ कहानी में होती है। असली ड्रैगन नहीं होते। असली पार्सल उड़कर वापस नहीं आते। असली पार्टी के लिए पन्ना 76 देखो। –ज.

कौन कौन है



गुनी। शनिवार का डिलीवरी बॉय। यह डायरी उसी की है। उसे शांत शामें पसंद हैं।



जूलिता। हरे रंग से लिखती है और "ज." से दस्तख़त करती है। उसे म्यूज़िक वाली पार्टियाँ पसंद हैं। और सरप्राइज़ भी।



टोन्यो। "बिजली" के लिए डिलीवरी करता है, दस मिनट में या मुफ़्त। जो नहीं पहुँचाता, वे हैं धोखे।



माशा। नामुमकिन डिलीवरी की मालकिन। जादूगरनी वाली टोपी पहनती हैं। जितना बताती हैं, उससे ज़्यादा जानती हैं।



एलिया। मोहल्ले की बेकरी वाली। उनके पास एक ओवन है और दो हाथ।



चूरा। ड्रैगन की बच्ची। वेरा के साथ रहती हैं। उसे मोमबत्तियाँ पसंद हैं। ज़रूरत से ज़्यादा।



पार्सल नं. 5। बाहर से सब जैसा। लेबल पर लिखा है: जहाँ समा जाए, वहाँ लगाएँ।



वे पार्सल R. के भेजे हुए हैं, जिन्हें कोई पहुँचा नहीं पाता। R. का नाम कोई नहीं लेता।

डिलीवरी डायरी 5
गुनी की

शांत।



डायरी नंबर ५ चूरा के मेरे जूते में सो जाने पर ख़त्म हुई थी। यह वाली गुलाबी है, केक की आइसिंग जैसी, और इस पर भी दुकान की मुहर लगी है।

पहले पन्ने पर मैंने बस एक शब्द लिखा था। जूलिता ने उसे देखना नहीं माँगा: उसने उसे उलटा पढ़ लिया।

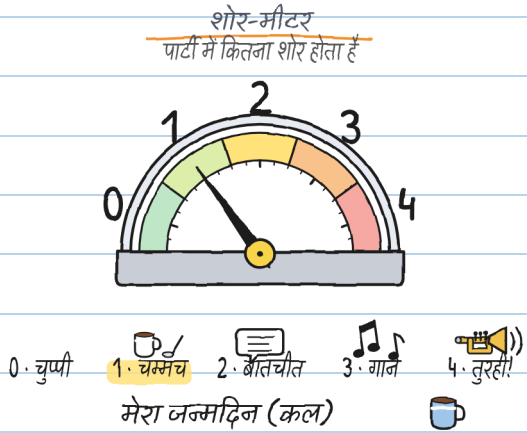
"शांत" वही लिखता है जिसे पता नहीं होता कि आगे क्या होने वाला है। –ज.

अध्याय 1

दो न्योते

कल, शुक्रवार 16 को, मेरा जन्मदिन था। मैंने उसे घर पर माँ के साथ मनाया। नींबू वाला केक था और दो कप। किसी ने गाना नहीं गाया। एकदम बढ़िया रहा।

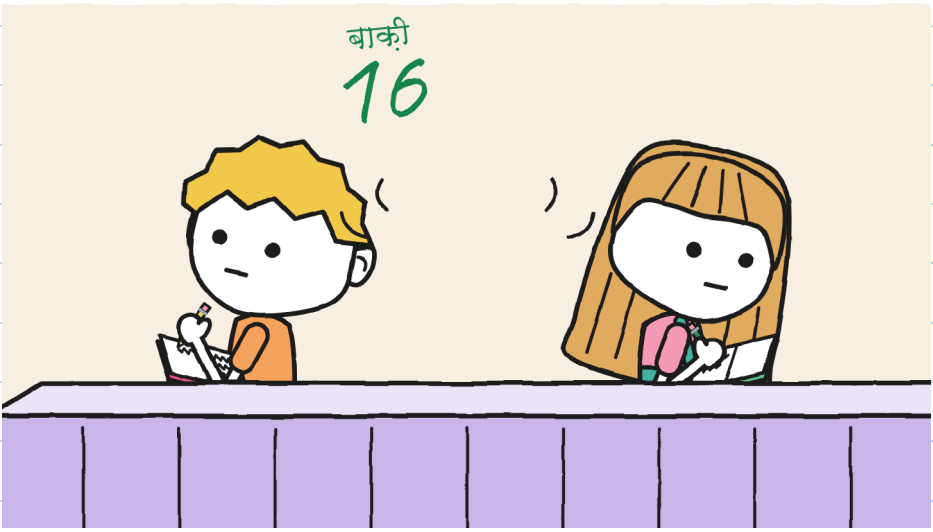
इसे ठीक से दर्ज करने के लिए मैंने एक मशीन बना डाली।



1 पर जनूमदिन जनूमदिन नहीं होता। वह बस शाम का नाश्ता होता है। –ज.

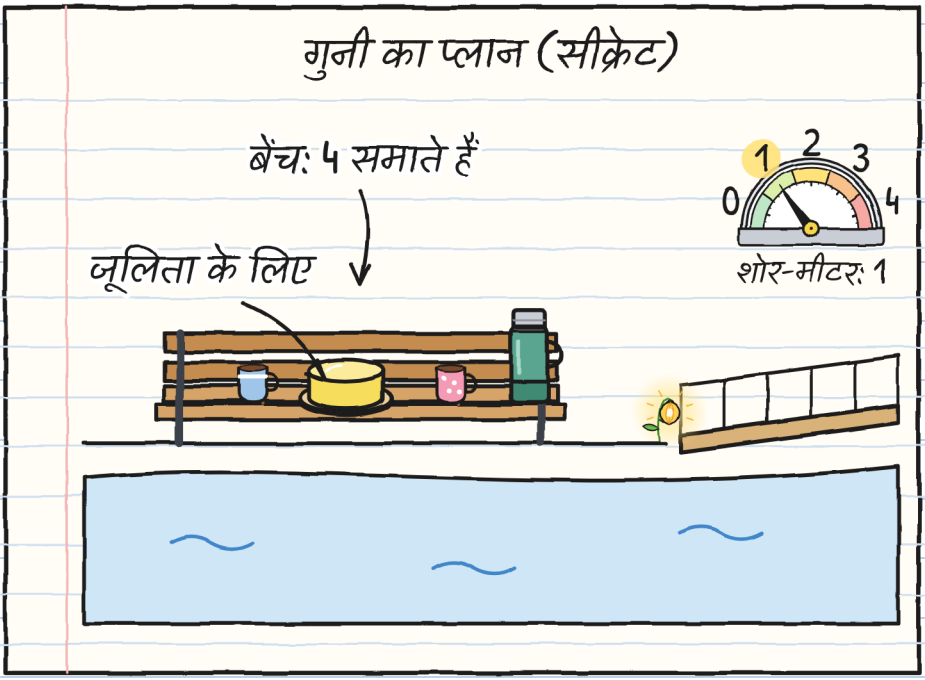
"बुधवार 21 को मेरा जन्मदिन है," जूलिता ने कहा। "और हमने वादा किया था कि दोनों साथ मनाएँगे।"
"21 के बाद," मैंने कहा।
"शनिवार 24 को। पाँच बजे।"
"पाँच बजे।"

हम दोनों ने इसे लिख लिया। इसके बाद किसी ने कुछ नहीं कहा। मुझे पहले से पता था कि पार्टी कैसी होगी। जूलिता को भी पता था।



यह मुझे पता था: जूलिता को एक शांत शाम की ज़रूरत है। वह हमेशा भागती रहती है, समय नापती रहती है और सवाल पूछती रहती है। पैदल पुल की बेंच पर बिना शोर का शाम का नाश्ता उसके लिए अच्छा रहेगा।

यह एक सरप्राइज़ होने वाला था। उसे कुछ तैयार नहीं करना था। बस आना था।



जूलिता का प्लान मुझे अगले शुक्रवार तक पता नहीं चला। यह पन्ना उसने बाद में मेरी डायरी में लिखा।

यह मुझे पता था: मुनी को एक असली पार्टी चाहिए, म्यूज़िक वाली, भले ही उसे खुद न पता हो। अगर मैं उससे पूछूँगी, तो वह मना कर देगा। इसलिए मैं नहीं पूछती। –ज.



दोपहर में टोन्यो एक डिलीवरी से लौटा। उसने साइकिल दरवाज़े पर खड़ी की और अपने डिब्बे पर बैठ गया। मैंने उसे चार नीले लिफ़ाफ़े दिए, जिनमें न्योते थे।

"एक तुम्हारे लिए है। बाक़ी मारा, वेरा और फ़्लोरा के लिए। यह जूलिता के लिए सरप्राइज़ है। उसे बताना मत।"

"सरप्राइज़ मैं रख सकता हूँ," टोन्यो ने कहा।

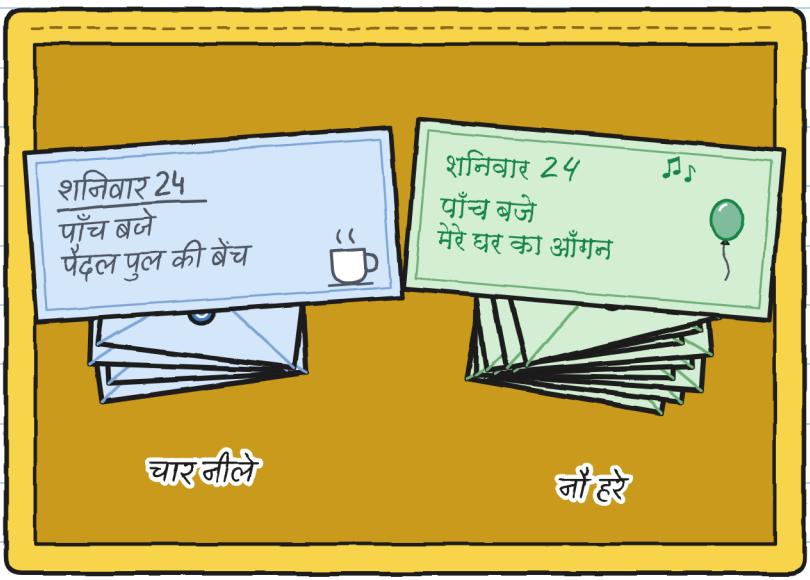
उसने उन्हें बिना देखे बैग में डाल लिया।



मैं खाना खाने चला गया। तब जूलिता ने टोन्यो को नौ हरे लिफ़ाफ़े दिए। यह मुझे टोन्यो ने शुक्रवार को बताया।
"एक तुम्हारे लिए है। बाक़ी मारा, वेरा, फ़्लोरा, एलिया, एंटोनियो अंकल, ज़ोई, ब्रूनो और जूते वाली आंटी के लिए। यह गुनी के लिए सरप्राइज़ है। उसे बताना मत।"
"सरप्राइज़ मैं रख सकता हूँ।"

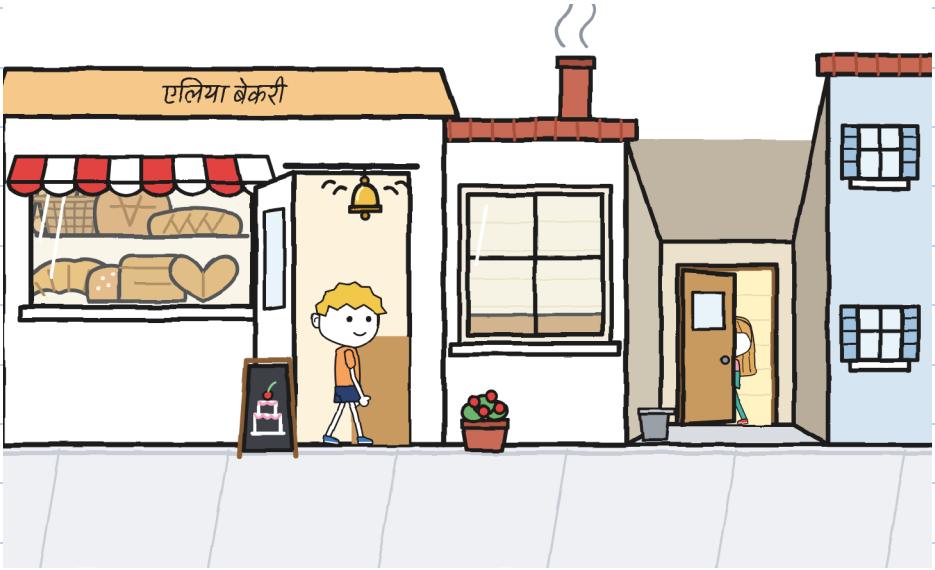
इस बार टोन्यो ने अपने दोनों लिफ़ाफ़े खोले, नीला और हरा। उनमें एक ही बात लिखी थी: शनिवार 24, पाँच बजे।

जैसा टोन्यो ने मुझे बताया



शाम को मैं एलिया की बेकरी में केक का ऑर्डर देने गया। अंदर घुसते ही मैंने रसोई का दरवाज़ा बंद होने की आवाज़ सुनी। मुझे लगा कि मैंने हरी डंगरी देखी।

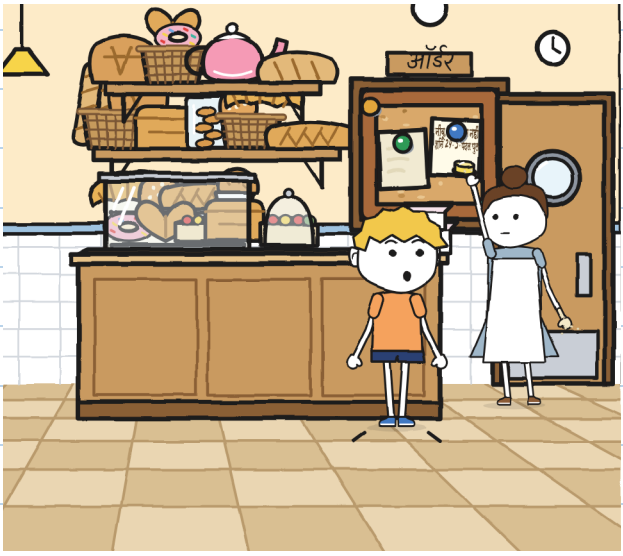
मैंने सोचा कि वह कोई दूसरी डंगरी होगी।



वह मेरी ही थी। एलिया ने मुझे रसोई के रास्ते से बाहर निकाला। –ज.

“एक छोटा नींबू वाला केक,” मैंने एलिया से कहा। “ऊपर कुछ नहीं। शनिवार 24 को, पाँच बजे, पैदल पुल की बेंच पर। यह जूलिता के लिए सरप्राइज़ है।”

एलिया ने उसे एक पर्ची पर लिख लिया। फिर उन्होंने ऑर्डर वाले अपने बोर्ड की तरफ़ देखा। वहाँ पहले से एक और पर्ची उलटी रखी थी।
“शनिवार 24 को पाँच बजे? उस वक़्त तो मेरे पास पहले से एक और केक है। दूसरी जगह के लिए।”
“किसका?”
“यह सीक्रेट है। तुम्हारे जैसा।”



मैंने सोचा कि वह किसी और का होगा। अक्टूबर में बहुत लोगों का जन्मदिन होता है।

"मैं राज़ रखूँगी," एलिया ने कहा, "और उस दूसरे ग्राहक का भी। लेकिन मेरे पास एक ओवन है और दो हाथ। शनिवार को पाँच बजे दोनों हाथ एक ही जगह पर होंगे।"
"और दूसरा केक?"
"वह तुम लोगों को तय करना होगा, जिन्होंने उन्हें मँगवाया है। मैं केक बनाती हूँ। पार्टियाँ नहीं।"

मैंने लिखा: "एलिया: एक ओवन, दो हाथ, एक जगह।"



मुझे एलिया ने अगले दिन बताया। "तुम लोगों" का मतलब मैं भी नहीं समझी। –ज.

शाम को दुकान में टोन्यो ने अपना बैग काउंटर पर उलट दिया। उसने लिफ़ाफ़ों को रंग के हिसाब से लगाया: हरे एक तरफ़, नीले दूसरी तरफ़। फिर उसने उन्हें दोबारा गिना।

"गुनी, क्या तुमने जूलिता से पार्टी के बारे में बात की है?"

"नहीं। यह सरप्राइज़ है।"

"अच्छा," टोन्यो ने कहा। "'बिजली' में जिस पार्सल पर दो पते हों, वह दुकान से बाहर नहीं जाता।"

"कौन-से दो पते?"

"यह मैं तुम्हें नहीं बता सकता। मुझसे कहा गया है।"



टोन्यो ने हर रंग का एक न्योता अपने बैग की जेब में रख लिया।
"ये दोनों मेरे हैं," उसने कहा। "बाक़ी मैं सोमवार को पहुँचाऊँगा।"

तभी मारा ने ऊपर वाले शेल्फ़ से नं. 5 का डिब्बा उतारा, बाक़ी सबकी तरह। अंदर लकड़ी की कोई चीज़ चरर करके बोली।
"एलिया पाँच बजे आ रही हैं," उन्होंने कहा। "आख़िरकार।"



एक जेब में दो लिफ़ाफ़े। किसी को दूसरे के बारे में कुछ नहीं पता था। लिफ़ाफ़ों को, मेरा मतलब। –ज.

एक कहानी, छह साइज़

छह साइज़ हैं, 3 से 16 साल तक के लिए, और 20 से ज़्यादा भाषाएँ। XXS, XS, S, M और L के पन्ने और चित्र एक जैसे हैं। XL एक उपन्यास है। बस कहानी कहने का तरीक़ा बदलता है।

साइज़ XXS · PRE-A1
क्या तुम्हें खुली डायरी दिख रही है?

साइज़ XS · A1
पहले पन्ने पर मैंने एक शब्द लिखा। लूलिता ने उसे उलटा पढ़ लिया।

साइज़ S · A2
पहले पन्ने पर मैंने एक शब्द लिखा। लूलिता ने उसे देखना नहीं माँगा। उसने उसे उलटा पढ़ लिया।

साइज़ M · B1
पहले पन्ने पर मैंने बस एक शब्द लिखा था। लूलिता ने उसे देखना नहीं माँगा; उसने उसे उलटा पढ़ लिया।

साइज़ L · B2
पहले पन्ने पर मैंने बस एक शब्द लिखा था। लूलिता ने मुझसे उसे माँगा नहीं; उसने उसे उलटा पढ़ लिया।

साइज़ XL · B2–C1
सचित्र उपन्यास · 13+
CEFR के स्तर केवल मार्गदर्शन के लिए हैं।

हर कोई अपने साइज़ में। केक वही। —ज.

परिवारों और शिक्षकों के लिए
हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो